३. निवास अपना-अपना

बताओ तो

- बिल्ली किसलिए घात लगाकर बैठी है ?
- कौए क्यों घबराए हुए हैं ? वे बिल्ली को क्यों भगा रहे हैं ?

बताओ तो

- घोंसले बनाने के लिए पक्षी किन चीजों का उपयोग करते हैं ?
- कौन-कौन-से प्राणी बिल में रहते हैं ?
- पाली गई मुर्गियाँ कहाँ रहती हैं ? उनके रहने की सुविधा कौन करता है ?

● घर की आवश्यकता

कड़ाके की ठंड, तेज बहने वाली हवा, अत्यंत तेज धूप, मूसलाधार बरसात से हमें कष्ट होता है । इनसे अपना बचाव करने के लिए हम घर में रहते हैं । घर के कारण चोरी का डर कम हो जाता है ।

कुछ लोग जंगल के अत्यंत समीप रहते हैं । उन्हें जंगली जानवरों का भी डर रहता है । घर होने से उनका यह डर कम हो जाता है ।

क्या हमारे समान ही प्राणियों को भी आवासों की आवश्यकता होती है ?

प्राणियों को आवासों की आवश्यकता होती है। वे प्राणी अपने लिए आवास बनाते हैं तो कुछ प्राणी परिसर की सुरक्षित जगह ढूँढ़कर निवास करते हैं ।

● नया शब्द सीखो

निवास – ऐसा सुरक्षित स्थान, जहाँ संकट से बचाव किया जा सकता है । ऐसा निवास जहाँ धूप, हवा और बरसात से रक्षा हो सकेगी ।

● अपने लिए निवास बनाने वाले प्राणी

तुमने पक्षियों के घोंसले अवश्य देखे होगे । घोंसले वास्तव में पक्षियों द्‌वारा अपने लिए तैयार किए गए निवास (आवास) ही हैं ।

अंडे खाने वाले कईं प्राणियों से पक्षियों को भय रहता है । इसलिए अंडे देने के लिए पक्षियों को सुरक्षित स्थान की आवश्यकता होती है ।

अंडों से चूजे बाहर आते हैं । चूजे खाने वाले प्राणी भी होते हैं । चूजों में अपनी सुरक्षा करने की क्षमता नहीं होती । घोंसलों द्‌वारा चूजों की सुरक्षा होती है । इसीलिए पक्षी घोंसले बनाते हैं । घोंसले बनाने के लिए पक्षी सूखी घास, तीलियों का उपयोग करते हैं । कपास तथा रस्सी या सुतली के रेशों का भी उपयोग करते हैं । इनके द्‌वारा बनाए गए घोंसले अंदर से नरम तथा गरम बनते हैं । सभी पक्षियों के घोंसले एक समान नहीं होते ।

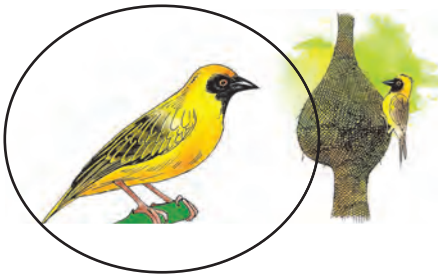

पक्षी अपने घोंसले के लिए सुविधाजनक जगह भी चुनते हैं। बया पक्षी को देखो न ! ये पक्षी घोंसले के लिए पानी के समीप काँटेदार वृक्ष पसंद करते हैं । वृक्ष की कुछ डालियाँ पानी के ऊपर झुकी हुई होती हैं । उसी ऊँचाई पर स्थित डाली पर बया का घोंसला होता है ।

अंडे खाने वाले प्राणियों का वहाँ जाना कठिन होता है ।

दर्जिन पक्षी गौरैया से थोड़ी छोटी होती है । वह घोंसला बनाने के लिए थोड़ी बड़ी पत्तीवाली किसी झाड़ी (क्षुप) को चुनती है । पास–पासवाली किन्हीं दो पत्तियों की सिलाई करके वह घोंसला बनाती है । सिलने के लिए वह धागे के रूप में किसी महीन लता का उपयोग करती है । ये छोटे घोंसले उस पक्षी के लिए उपयुक्त होते हैं ।

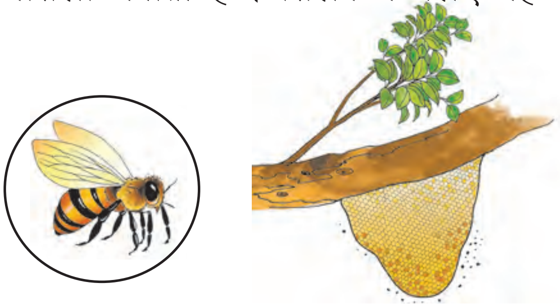

कुछ कीटक भी अपने निवास स्वयं बनाते हैं । मधुमक्खियाँ वृक्षों पर अथवा किसी ऊँची पहाड़ी की दरार की छत के नीचे छत्ते बनाती हैं ।

घूस (बड़ा चूहा) और चूहे खेत में जमीन के अंदर रहते हैं । वे जमीन को खोदकर अपने रहने के लिए बिल बनाते हैं ।

घूस तथा चूहे मनुष्य की बस्ती में भी रहते हैं । वे मिट्टी से बने घर की दीवारों अथवा जमीन में बिल बनाते हैं । सीमेंट से बने हुए पक्के घरों में ये प्राय: नहीं आ पाते क्योंकि सीमेंट के निर्माण को वे खोद नहीं पाते ।

परिसर में बने–बनाए निवास खोजने वाले प्राणी

कुछ प्राणी निवास बनाने के लिए स्वयं कोई प्रयास नहीं करते । वे निवास के लिए परिसर की कोई सुविधाजनक जगह चुन लेते हैं । कुछ कबूतर और परेवा जंगल में रहते हैं । वे ऊँची तथा ढालू चट्टानों में बनी छोटी–छोटी दरारों में रहते हैं । कुछ कबूतर तो मनुष्य की बस्ती के पास भी रहते हैं । वे मिट्टी की फटी हुई दीवारों की खाली जगहों में अपना निवास खोजते हैं ।

बाघ, तेंदुआ तथा लकड़बग्घा पहाड़ी गुफा में रहते हैं ।

एक विशेष प्रकार के चमगादड़ ऊँचे वृक्षों पर रहते हैं ।

कुछ अन्य प्रकार के चमगादड़ पहाड़ियों की अँधेरी गुफाओं में रहते हैं अथवा वे पुराने खंडहरों में भी निवास खोजते हैं ।

क्या तुम जानते हो

- ऐसा कहते हैं कि नाग (साँप) बाँबी में रहता है परंतु यह सत्य नहीं है । चींटियाँ बाँबी बनाती हैं, नाग नहीं बनाता । नाग बिल में रहता है ।

पालतू प्राणियों के निवास

कुछ लोग प्राणी पालते हैं ।
पाले गए प्राणियों के लिए वे निवास तैयार करते हैं ।

मुर्गियों के निवास को दड़बा कहते हैं ।

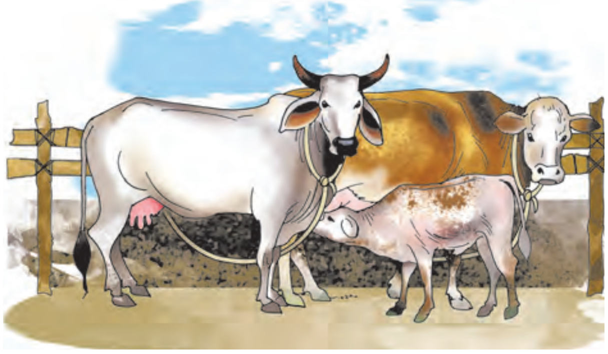

गायों के लिए गोठ बनाते हैं ।

घोड़े के निवास को अस्तबल कहते हैं ।

हमने क्या सीखा

* ठंड, तेज हवा, बरसात से बचाव करने के लिए प्राणियों को निवास की आवश्यकता होती है ।
* कुछ प्राणी अपने निवास स्वयं तैयार करते हैं ।
* कुछ प्राणी परिसर में बना-बनाया निवास ढूँढ़ते हैं ।
* हम कुछ प्राणी पालते हैं । पाले गए प्राणियों के लिए हम निवास तैयार करते हैं ।

इसे सदैव ध्यान में रखो

शौक के लिए क्या प्राणियों को पिंजड़े में रखना ठीक है ? प्राणियों को उनके प्राकृतिक परिसर में जीने देना चाहिए ।

स्वाध्याय

(अ) अब क्या करना चाहिए :

आजकल बहुत-से शहरों में पक्षियों की संख्या दिनोंदिन कम होती जा रही है । इसका कारण क्या हो सकता है ? इसमें पुन: वृद्धि हो, इसलिए क्या करोगे ?

(आ) थोड़ा सोचो :

(१) चींटियाँ किस पदार्थ से बाँबी बनाती होंगी ?

(२) 'बिच्छू पत्थर के नीचे पाया जाता है' ऐसा क्यों कहा जाता है ?

(३) कुछ कबूतर और कुछ परेवा जंगल छोड़कर मनुष्य की बस्ती के पास रहने के लिए आ गए हैं। कुछ चूहे मनुष्य की बस्ती के पास रहने लगे हैं। इसका क्या कारण होगा ?

(४) नीचे दिए चित्र के प्राणी और उनके निवास के अनुसार जोड़ियाँ मिलाओ :

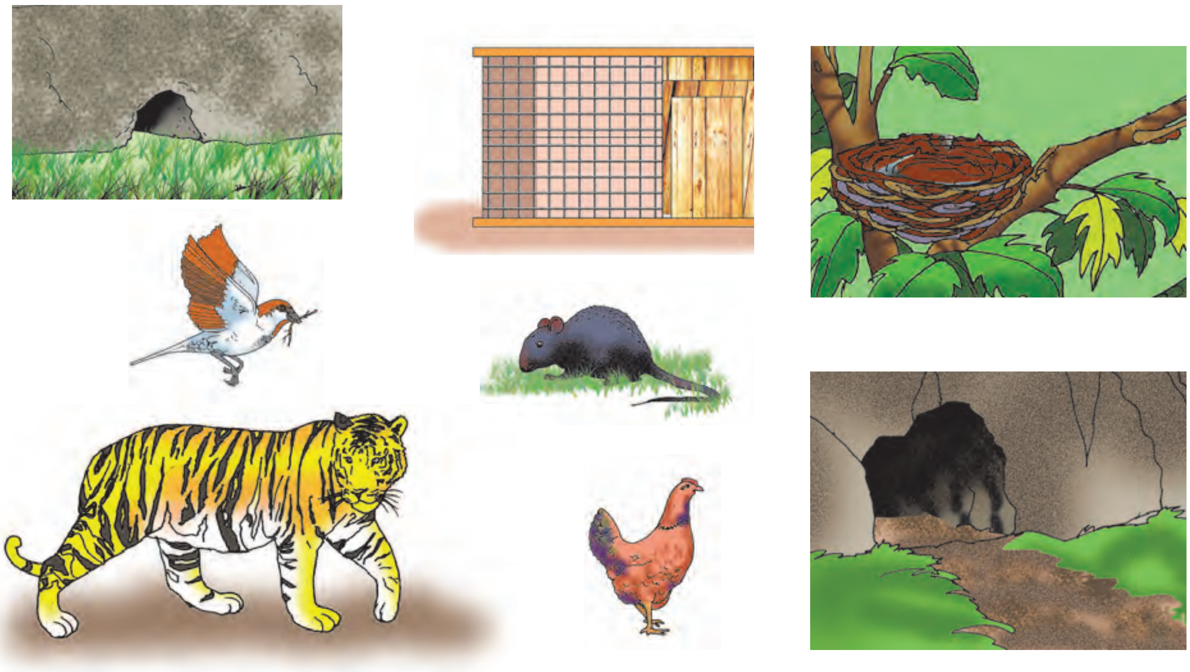

(इ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

(१) सभी पक्षियों के घोंसले .... नहीं होते।

(२) .... नामवाला पक्षी गौरैया से छोटा होता है।

(३) कुछ पक्षी निवास बनाने के लिए स्वयं कुछ .... नहीं करते।

(४) बाघ, तेंदुआ, ... पहाड़ी गुफा में रहते हैं।

(५) घोड़े के निवास को .... कहते हैं।

(ई) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(१) पत्तियों को सिलने के लिए दर्जिन पक्षी किसका उपयोग करता है ?

(२) अंडे खाने वाले प्राणियों को बया के घोंसले में जाना कठिन क्यों होता है ?

(३) पक्षी अपने घोंसले को अंदर से नरम तथा गरम कैसे बनाते हैं ?

(४) घूस तथा चूहे सीमेंट से बनाए गए घरों में प्राय: क्यों नहीं आ पाते ?

(५) अँधेरी गुफाओं में रहनेवाले चमगादड़ और कहाँ निवास खोजते हैं ?

***